



व्यापार की योजना
आय सृजन गतिविधि -बुनाई
द्वारा
नेनी माता-स्वयं सहायता समूह



एसएचजी/सीआ ईजी नाम	::	नेनी माता
वीएफडीएस नाम	::	खड़ी बेही
श्रेणी	::	धर्मशाला
विभाजन	::	धर्मशाला

तैयार :

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार
परियोजना)जेआईसीए सहायता प्राप्त(

विषयसूची

क्रमांक ।	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1.	परिचय	3
2.	पृष्ठभूमि	3
3.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
4.	लाभार्थियों का विवरण	5
5.	भौगोलिक विवरण :	5
6.	प्रबंध	6
7.	प्राथमिक कार्य योजना	6
8.	ग्राहकों	6
9.	केंद्र का लक्ष्य	7
10.	व्यवसाय को शुरू करने के लिए यहाँ क्लिक करें	7
11	स्वोट अनालिसिस	8
12.	मशीनरी ,उपकरण और अन्य उपकरण	8-9
13.	महीने में कुल उत्पादन और बिक्री राशि	10
14.	लाभ का बंटवारा	11
15.	धन के स्रोत और खरीद	12
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	12
17.	ऋण चुकोती अनुसूची	13
18.	निगरानी विधि	13
19.	समूह के सदस्यों की तस्वीरें	14
20	अनुमोदन	15

1. परिचय

स्वेटर और कार्डिगन बुनने के साथ-साथ मोजे ,मफलर ,स्कार्फ ,टोपी ,दस्ताने आदि बुनना ग्रामीण भारत में मुख्य रूप से महिलाओं के बीच एक आम घरेलू गतिविधि है। अधिकांश महिलाएं इस आय सृजन गतिविधि से अच्छी तरह वाकिफ हैं और वे इसे खाली समय में और साथ ही घर के अन्य कामों के साथ खुशी-खुशी करती हैं। इस SHGकी महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को आय सृजन गतिविधि के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसा कमा सकें और मुश्किल समय के लिए कुछ बचत भी कर सकें । विभिन्न आयु वर्ग की 16 महिलाओं का एक समूह JICAपरियोजना के तहत एक SHGबनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया ,जो उन्हें सामूहिक रूप से इस आय सृजन गतिविधि को करने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

2. पृष्ठभूमि

नेनी माता एसएचजी द्वारा बुनाई केंद्र गांव रावा पोस्ट ऑफिस घेरा में स्थित होगा तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश । गांव में कुल 83घर हैं ,जो 4से 5छोटे गांवों के आसपास का एक छोटा सा गांव है । यह केंद्र ग्राहकों को बेहतरीन सेवा प्रदान करेगा और उन्हें उनके लिए सबसे उपयुक्त उत्पाद प्रदान करने के लिए मार्गदर्शन करेगा ,जो उनके लिए संतुष्टि और आराम के उच्चतम स्तर को चिह्नित करता है ।

3. एसएचजी /सीआईजी का विवरण

2.1	एसएचजी /सीआईजी नाम	::	नेनी माता
2.2	वीएफडीएस	::	खड़ी बेही
2.3	समिति	::	खड़ी बेही
2.4	श्रेणी	::	धर्मशाला
2.5	विभाजन	::	धर्मशाला
2.6	गाँव	::	रावा
2.7	अवरोध पैदा करना	::	करेरी
2.8	ज़िला	::	कांगड़ा
2.9	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	16- महिलाएं
2.10	गठन की तिथि	::	20-12-22
2.11	बांका /सी नं .	::	87751300001307
2.12	किनारा विवरण	::	हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक चर्ची
2.13	एसएचजी/सीआईजी महीने के सहेजा जा रहा है	::	50/-
2.14	कुल बचत	::	1600/-
2.15	टोटलइंटर -ऋण	::	
2.16	नकद श्रेय आप LIMIT	::	- -
2.17	पुनर्भुगतान स्थिति	::	- -

4. BeneficiariesDetail:

क्र. सं.	उम्मीदवार का नाम	बेटी/पति नाम	वर्ग	संपर्क नंबर	पद का नाम
1	मिश्रो देवी	श्री.कुलदीप	अनुसूचित जाति	9736294597	अध्यक्ष
2	सुंगदी देवी	श्री संसार चंद	अनुसूचित जाति	7818123299	सचिव
3	शेरिंग दिक्कित	श्री अजय कुमार	अनुसूचित जाति	9015169991	कोषाध्यक्ष
4	सुनीता देवी	श.ओम कार	अनुसूचित जाति	8219515636	कोषाध्यक्ष
5	उषा देवी	श्री अशोक कुमार	अनुसूचित जाति	7807939794	सदस्य
6	निक्को देवी	श्री चैन सिंह	अनुसूचित जाति	8626816869	सदस्य
7	काबलू देवी	श्री हंस राज	अनुसूचित जाति	7807311760	सदस्य
8	सरगंधो देवी	श्री वतिया राम	अनुसूचित जाति	6230273549	सदस्य
9	सुंगडो देवी	श्री राम प्रसाद	अनुसूचित जाति	8580914076	सदस्य
10	फतो देवी	श्री गोरख राम	अनुसूचित जाति	9015208227	सदस्य
11	भीडो देवी	श्री कालू राम	अनुसूचित जाति	7876813341	सदस्य
12	सोनिया देवी	श्री मोहिंदर सिंह	अनुसूचित जाति	-	सदस्य
13	दीक्षा देवी	पुत्री श्री अनिल कुमार	अनुसूचित जाति	6230653147	सदस्य
14	सीमा देवी	श्री देश राज	अनुसूचित जाति	7807429609	सदस्य
15	रेखा देवी	श्री जमे सिंह	अनुसूचित जाति	8628039592	सदस्य
16	गुरनु देवी	श्री ओम प्रकाश	अनुसूचित जाति	-	सदस्य

5. गांव का भौगोलिक विवरण :

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	75 किमी
3.2	सड़क से दूरी	::	3 कि.मी.
3.3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	चरी-18 किमी ,धर्मशाला -28 किमी
3.4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	::	धर्मशाला -28 किमी
3.5	मुख्य शहरों का नाम एवं दूरी	::	धर्मशाला -28 किमी , कांगड़ा -40 किमी
3.6	उन स्थानों/स्थानों का नाम जहां विपणन किया जाएगा	::	चारी ,धर्मशाला ,कांगड़ा

6. प्रबंध

नेनी माता एसएचजी द्वारा संचालित बुनाई केंद्र में 16 महिला सदस्य हैं और उनके पास व्यक्तिगत बुनाई मशीनें होंगी और वे सामूहिक रूप से अपनी योजना को क्रियान्वित करने और काम करने के लिए गांव में कमरा किराए पर लेंगी। केंद्र में वास्तविक कार्य शुरू होने से पहले सभी सदस्यों को कुछ पेशेवर प्रशिक्षकों के तहत बुनाई का प्रशिक्षण देने के लिए एक अल्पकालिक कैप्सूल कोर्स कराया जाएगा।

7. प्राथमिक कार्य योजना

इस एसएचजी के सदस्यों के पास इस आईजीए के बारे में बहुत स्पष्ट दृष्टिकोण है और समूह के भीतर सावधानीपूर्वक और विचारशील चर्चा के बाद अतिरिक्त आय के लिए इस गतिविधि को अपनाने का फैसला किया। सदस्य इस गतिविधि को अलग-अलग कर रहे हैं लेकिन अब वे इस गतिविधि को थोड़े बड़े पैमाने पर और योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए हाथ मिला रहे हैं। सदस्यों के बीच श्रम का विभाजन सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध किया गया है ताकि प्रत्येक आईजीए को मजबूत करने में योगदान दे और इसके

परिणामस्वरूप उनके पास अतिरिक्त धन हो।

8. ग्राहकों

केंद्र के प्राथमिक ग्राहक ज्यादातर खारी गांव के आसपास के स्थानीय लोग होंगे बेही में तो यह व्यवसाय शुरू हो चुका है ,लेकिन बाद में इस व्यवसाय को आस-पास की छोटी-छोटी बस्तियों में भी फैलाया जा सकता है।

9. centre Target of the

खड़ी बेही के निवासियों को अद्वितीय आधुनिक और उच्च श्रेणी की बुनाई सेवा प्रदान करना है विशेष रूप से बेही गांव और आसपास के गांवों के सभी निवासी। यह केंद्र आने वाले वर्षों में अपने परिचालन क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रतिष्ठित बुनाई केंद्र बन जाएगा।

10. business There as on to start this

इस SHGके सदस्यों के पिछले अनुभव के कारण जो पहले से ही यहाँ-वहाँ यही काम कर रहे हैं ,इस IGAको चुना गया है और इसलिए SHGइस व्यवसाय को शुरू कर रहा है। यह विभिन्न सदस्यों के कौशल को संयोजित करने और अधिक आजीविका कमाने के लिए उनकी गतिविधि को बढ़ाने का एक प्रयास है।

❖ ताकत

- ➡ कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही है
- ➡ कच्चा माल आस-पास के बाजारों में आसानी से उपलब्ध
- ➡ विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
- ➡ उचित पैकिंग और परिवहन में आसानी
- ➡ परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- ➡ उत्पाद का स्व-जीवन है लंबा

❖ कमजोरी

- ➡ जानकारी का अभाव

❖ अवसर

- ➡ उत्पादों की बढ़ती मांग

❖ खतरे/जोखिम

- ➡ प्रतिस्पर्धी बाजार
- ➡ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण एवं कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर

12. मशीनरी ,उपकरण और अन्य उपकरण

पारंपरिक बुनाई के साथ-साथ यांत्रिक बुनाई भी साथ-साथ चलेगी ताकि विपणन के लिए एक मूल्यवान उत्पाद उपलब्ध कराया जा सके और इसे गुणवत्ता और मूल्य टैग दोनों में प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। लक्षित क्षेत्र में मांग के आधार पर कुछ वस्तुओं का उत्पादन पारंपरिक तरीके से और कुछ का यांत्रिक तरीके से किया जाएगा। निम्नलिखित मशीनरी और उपकरणों को खरीदने की आवश्यकता है।

एक।	पूंजीगत लागत			
क्रम संख्या	मशीनरी का विवरण .	मात्रा	दर प्रति इकाई	कुल मात्रा
1	बुनाई मशीन	16	8000	128000
2	कैंची	16	150	2400
3	गोला बनाने की मशीन	2	600	3000
4	मेज़	3	1500	4500
	कुल पूंजी लागत=			137900

बी।	आवर्ती लागत			
क्रम संख्या।	विवरण	इकाई	दर	मात्रा
1.	कमरे का किराया	प्रति महीने	1500	1500
2.	पानी और बिजली	प्रति महीने	1000	1000
3.	बुनाई का धागा अलग रंग और गुणवत्ता	प्रति माह एल/एस	30000	30000
4.	चिकनाई तेल & पिपेट	प्रति महीने	1400	1400
5.	टूट फूट	प्रति महीने एल/एस	1400	1400
कुल आवर्ती लागत				35300

13. महीने में कुल उत्पादन और बिक्री की मात्रा

चूंकि यह SHGमें उनके नियमित घरेलू काम के अलावा एक अतिरिक्त गतिविधि है , इसलिए परिणाम प्रत्येक सदस्य के काम के घंटों के अनुपात में होगा। हमेशा शुरुआत में उत्पादन को रूढ़िवादी पक्ष पर रखना बेहतर होता है जिसे समय बीतने और कार्य अनुभव के साथ बढ़ाया जा सकता है। इसलिए ,यह माना जाता है कि प्रत्येक सदस्य अंतिम रूप से तैयार उत्पाद के रूप में प्रतिदिन एक आइटम)स्वेटर ,बेबी सेट (का उत्पादन करेगा और प्रतिदिन 22आइटम बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जा सकते हैं। इस उत्पादन दर को ध्यान में रखते हुए एक महीने में लगभग 660तैयार आइटम बिक्री के लिए तैयार होंगे। शुरुआत के तौर पर अगर प्रत्येक आइटम की औसत दर 500रुपये मानी जाए तो प्रति माह कुल आय इस प्रकार काम की जाती है:

विवरण	कुल राशि)रु.(	परियोजना योगदान)75(%	एसएचजी योगदान)25(%
कुल पूंजी लागत	137900	103425	34475
आवर्ती लागत			
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यहास /माह	1945		1945
प्रति अन्य व्यय महीना	35300	-शून्य-	35300
कुल	175145		71720

माह में कुल बिक्री)500*6603 = (,30,000

पहले महीने में कुल व्यय **175145** =

हालाँकि इस राशि को व्यय कॉलम से सुरक्षित रूप से घटाया जा सकता है और शुद्ध आय को फिर से फिर से बनाया जा सकता है। इसके अलावा SHGके सदस्य सामूहिक रूप से काम करेंगे इसलिए उनकी मजदूरी को ध्यान में नहीं रखा गया है। महीने के अंत में शुद्ध आय को निम्नानुसार फिर से बनाया गया है:

पूँजी लागत		
विवरण	मात्रा	एसएचजी योगदान
पूँजीगत लागत	137900	34475
आवर्ती व्यय		
i) पूँजीगत लागत पर प्रति माह 10% मूल्यह्रास	1945	
i) सामग्री लागत आदि पर अन्य व्यय।	35300	
कुल	37245	
कुल लागत	103425+ 37245=140670	
पहल महीने में कुल बिक्री	3,30,000	
शुद्ध लाभ	189330	

14. लाभ का बंटवारा

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने आपसी सहमति से यह निर्णय लिया है कि पहले महीने में प्रत्येक सदस्य को 6000 रुपये आय के रूप में दिए जाएंगे तथा शेष 54,054 रुपये का लाभ उनके बैंक खाते में आपातकालीन आरक्षित निधि के रूप में रखा जाएगा ,ताकि भविष्य में किसी आकस्मिक आवश्यकता की पूर्ति की जा सके।

15. में निधि प्रवाह :

क्रमांक ।	विवरण	कुल राशि)रु(.	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूँजी लागत	137900	103425	34475
2	कुल आवर्ती लागत	37245	0	37245
3	प्रशिक्षण	50000	50000	0
	कुल	225145	153425	71720

टिप्पणी-

- पूंजीगत लागत -कुल पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा
- आवर्ती लागत -संपूर्ण लागत SHG/CIG द्वारा वहन की जाएगी।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -कुल लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी

16. धन और खरीद के स्रोत :

परियोजना समर्थन;	• मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा । • स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में एक लाख रुपये तक की धनराशि परिक्रामी निधि के रूप में जमा की जाएगी। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण / कौशल उन्नयन लागत।	कोडल निर्देशों का पालन करने के बाद मशीनों की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी। औपचारिकताएं.
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। • स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

12. प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण /कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

13. **ऋण चुकौती अनुसूची** - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्बीमा भुगतान अनुसूची होगी ,हालांकि सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।
- सीसीएल में ,एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
 - सावधि ऋणों में ,पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

14. **निगरानी विधि -**

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की भी समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

ग्रुप के सदस्यों की फोटो-

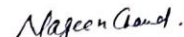


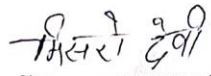
एसएमएस द्वारा तैयार –बबिता

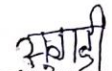
Approval
letter

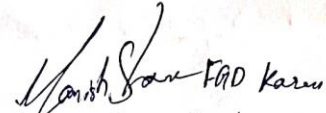
अभिज्ञाना (Khowi Behi)

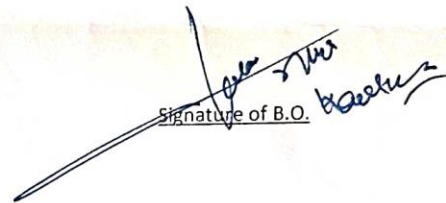

Signature of VFDs Pradhan

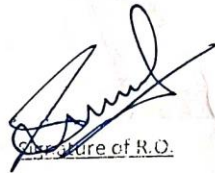

Signature of VFDs Secretary


Signature of SHG Pradhan


Signature of SHG Secretary


Signature of Forest Guard


Signature of B.O.


Signature of R.O.


Divisional Forest
Forest Division
Dharamshala